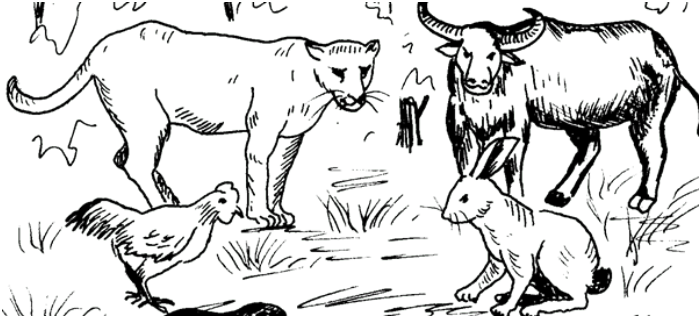


अगाडको आवरण पृष्ठ

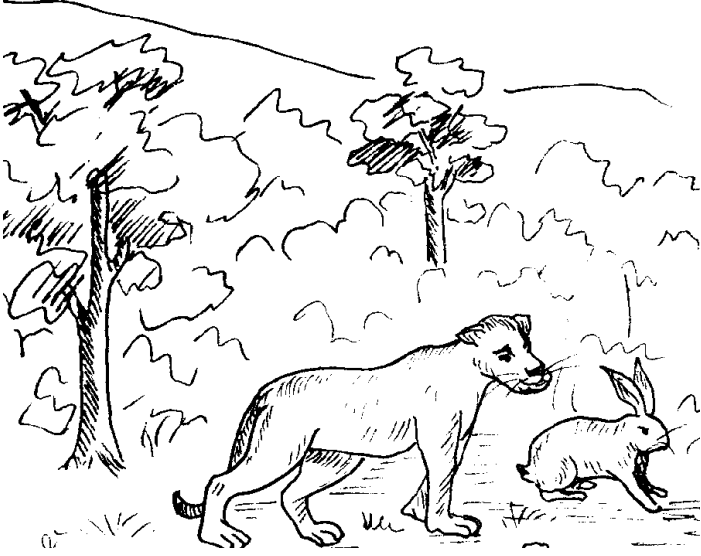
बाघ आ खरहा



लेखक: दपिन्दर पासवान

तह ४, कक्षा १

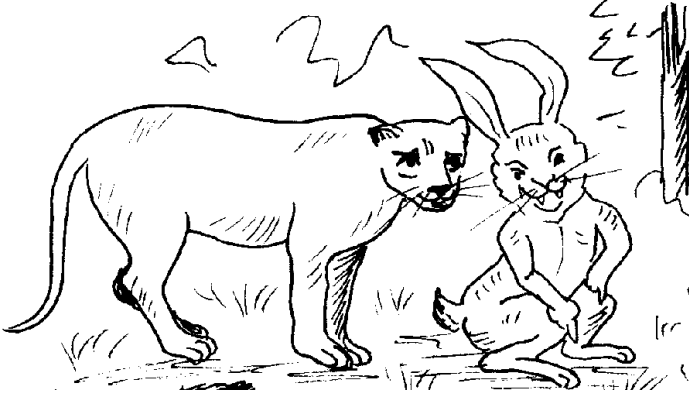
भोजपुरी



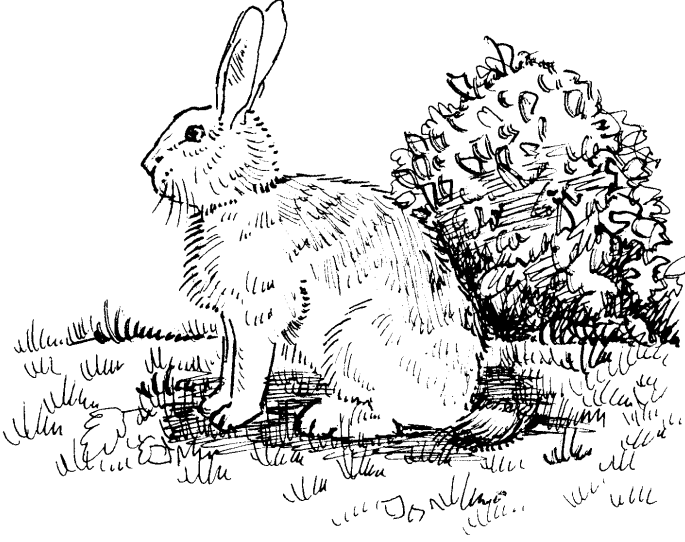
जगलं में बाघ रहे।
ओमे खरहा भी रहे।



बाघ खरहा से कहलख।
हम इहाँके राजा हई।
हम सबसे बरयार बानी।



हमरा भुख लागल बा।
हम तोराके खाएम।
खरहा घबड़ा गईल।



सोचे लागल।
कइसे जान बचाई।
सोचके बुद्धी लगईलख।





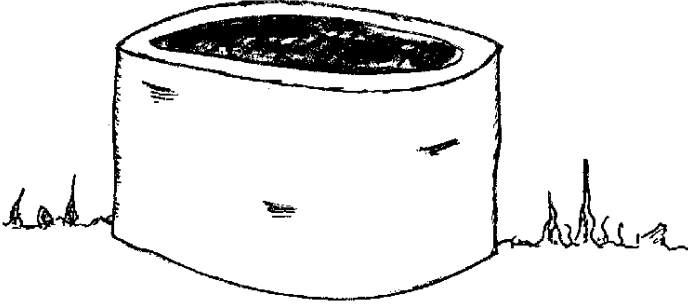
खरहा कहलख बाघसे।
दोसर बाघ देखले बानी।
अपनाके उ राजा बतईलख।



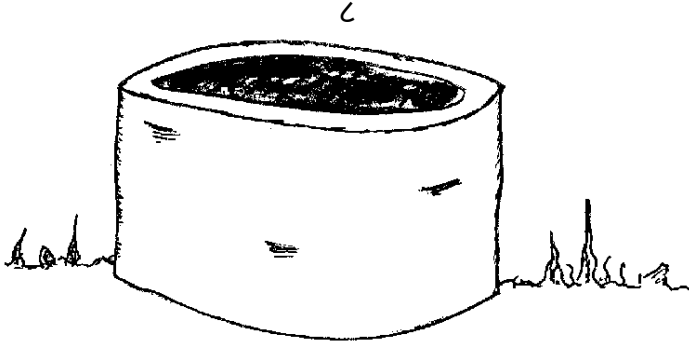
बाघ सुनके खसिया गईल।

कहलख हमके देखाव।

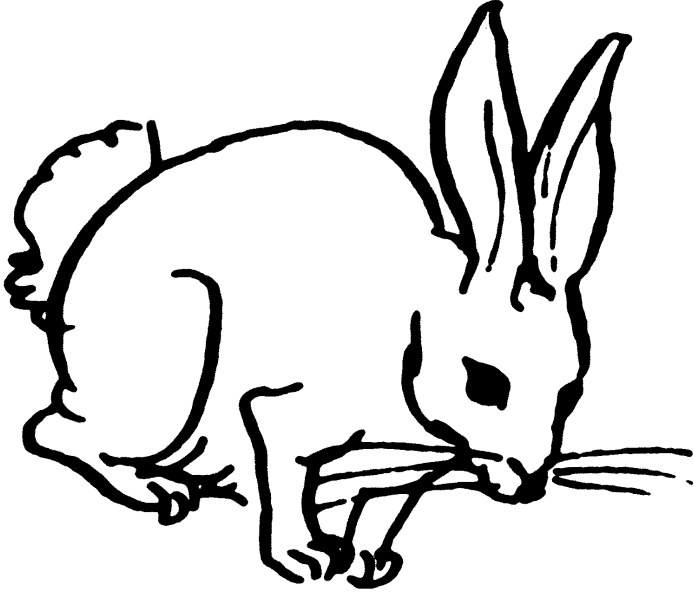
खरहा कहलख चल।



बाघके इनार लगे लेगईल।
ईनारमे झाँके के कहलख।
बाघ ईनार मे देखलख।



बाघ अपन छाहीं देखलख।
छाहींके बाघ समझ गेल।
ईनार मे छरप गईल।



खरहाके जान बच गईल।

खरहा खुशी हो गईल।

अपना घरे चल गईल।

१०

आफतमे ना घब ड़ाएके।

बुद्धी लगावेके चाहीं।

शीर्षक पृष्ठ

बाघ आ खरहा

Images by International Illustrations: The Art Of Reading 3.0,

© 2009 SIL International. CC-BY-ND 3.0.

तहगत, तह ४

This book has been developed under the Enabling Writers Project with the support of the Curriculum Development Centre-Ministry of Education, Science and Technology Nepal, Language Commission- Government of Nepal, Rural Development Center-Nepal and World Education.

भोजपुरीNepal

श्रेय पृष्ठ Copyright © 2019, Enabling Writers Project - World
Education-Nepal



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/> तपाईंले यस
रचनालाई व्यापारिक प्रयोजनका लागि प्रयोग गर्न पाउनुहुन्छ। तपाईंले यस
रचनालाई समायोज गर्न वा यसमा आफ्नो तर्फबाट थपथाप गर्न पाउनुहुन्छ।
तपाईंले लेखक, चित्रकार, इत्यादिको प्रतिलिपि अधिकार सूचना र नाम
राख्नुपर्छ।

अगाडको आवरण पृष्ठको भक्तिपट्टी

यस पुस्तकको बारेमा: भोजपुरी भाषामा तयार गरिएको यो पुस्तक कक्षा १ मा अध्ययनरत भाइबहनीहरूका लागि हो। यो पुस्तक देवनागरी लिपिका सबै वर्ण र मात्रा सकिसकेका बालबालिकाको स्वतन्त्र पठनका लागि तयार पारिएको हो। पढाइ सीपको विकास गर्नका लागि यस पुस्तकलाई शिक्षकले नयाँ शब्द सिकाउन, नमुना पठन गर्न र बोध शिक्षणका लागि प्रयोग गर्न सक्नेछन्।

The End



USAID
FROM THE AMERICAN PEOPLE



**Australian
Aid** 

